SCIENCE & TECH EXPLANATION (TEST : 03)

DATE : 8 Jan, 2019/TIME : 06:30 pm

1. (C) उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य हैं।

2. (D) क्रायोजेनिक तकनीक के सन्दर्भ में उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य हैं।

3. (A) कथन–1 सत्य है। जीएसएलवी तीन चरणों वाला रॉकेट है, जिसकी सहायता से लगभग 2.5 हजार किग्रा. तक के वजनी उपग्रहों को जियो ट्रान्सफर ऑर्बिट तक ले जाया जा सकता है।
   कथन– 2 असत्य है। जीएसएलवी के तीसरे चरण में क्रायोजेनिक ईंधन भरा जाता है। जिसमें अति निम्न तापमान पर हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन द्रव को भर जाता है।

4. (A) पीएसएलवी के सन्दर्भ में कथन–1 सत्य है, जबकि कथन–2 असत्य है। यह चार चरणों वाला यान है, जिसके दूसरे चरण में द्रव ईंधन एवं तीसरे चरण में ठोस ईंधन भरा जाता है।

5. (b) कथन–1 असत्य है। कॉपरनिकस मिशन यूरोपियन यूनियन स्पेस एजेंसी का मिशन है, जो मुख्यतः पृथ्वी के सन्दर्भ में सर्वेक्षण करता है।
   कथन– 2 सत्य है। कॉपरनिकस मिशन के अंतर्गत 6 उपग्रहों को प्रक्षेपित किया गया है, जो आपदा प्रबंधन में सहयोगी होंगे।

6. (C) स्क्रैमजेट इंजन के सन्दर्भ में उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य हैं।

7. (c) उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य हैं।

8. (A) कथन–1 सत्य है। हाल ही में जीएसएलवी–एमके– III की सहायता से जीसैट–29 उपग्रह को प्रक्षेपित किया गया। कथन–2 असत्य है। जीएसएलवी एमके -III तीन चरणों वाला भारत का नवीनतम प्रक्षेपण यान है।

9. (B) कथन–1 असत्य है। अमेरिका की निजी कंपनी स्पेस–एक्स का प्रक्षेपण यान फॉल्कन हैवी है, जो विश्व का सर्वाधिक क्षमता वाला लॉन्च व्हीकल है।
   कथन–2 सत्य है। जीएसएलवी एमके – III के विकास से भारत विश्व का छठा देश बन गया है, जिसके पास 4 टन वजनी उपग्रहों को भूस्थैतिक कक्षा तक ले जाने की क्षमता है।

10. (c) उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य हैं।